भारतीय उत्पादकता प्रतिनिधिमण्डल

१४०२. **श्री रा० रा० सिंह :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्पादकता बढ़ाने के तरीकों के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिये जो भारतीय उत्पादकता शिष्टमंडल जापान भेजा गया था उस पर कितना खर्च हुआ ; और

(ख) किन किन व्यक्तियो ने अथवा निकाय ने इस खर्च का भार उठाया ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) लगभग ५६,००० रु० ।

(ख) खर्च का बड़ा भाग जापान सरकार ने कोलम्बो योजना के अधीन उठाया और एक भाग भारत सरकार ने ।

सीमेंट के कारखाने

१४०३. **श्री रा० रा० सिंह :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सीमेंट के उत्पादन के लिये गत वर्ष जिन ६० नई योजनाओं को स्वीकृत किया गया था, उन्हें अमल में लाने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ख) इन योजनाओ के अन्तर्गत सीमेंट के नये कारखाने कहां कहां स्थापित किये जायेंगे ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) १९५६ के अन्त तक जिन ६० योजनाओं के लिये लाइसेंस दिये गये थे उन में से ६,३१,००० टन वार्षिक क्षमता वाली ६ योजनाओं का उत्पादन होने लगा है या शीघ्र ही होने लगेगा । १५,४२,००० टन वार्षिक क्षमता वाली १२ अन्य योजनाओं की मशीनों और उपकरणों के आयात के लिये लाइसेंस दिये जा चुके हैं और उनका उत्पादन भी १९५८ या १९५९ में होने लगने की आशा है । दस मामलों में लाइसेंस या तो रद्द कर दिये गये हैं या किये जा रहे हैं क्योंकि उन्हें लेने वालो ने अमल मे लाने के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये थे । शेष ३२ मामलों में लाइसेंस लेने वालों को मशीनों का आयात करने के लिये विलम्बित भुगतान की स्वीकृत होने योग्य शर्तें तय करा लेने की राय दी गई है ।

(ख) सदन की मेज पर एक विवरण रखा जाता है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ११२]

बैटरियां

१४०४. **श्री रा० रा० सिंह :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विशेष प्रकार की बैटरियो के बनाने के सम्बन्ध में अब तक क्या किया गया है ;

(ख) क्या इस सम्बन्ध में कोई उपसमिति नियुक्त की गई है ;

(ग) यदि हां, तो उस समिति के सदस्यो के नाम क्या है ; और

(घ) उस समिति ने इस दिशा में अब तक क्या कदम उठाये हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) जहां तक सग्रह बैटरियों का सम्बन्ध है, मोटरों में काम आने वाली बैटरियों के अलावा नीचे लिखी विशेष किस्मों की बैटरियां देश में तैयार की जा रही हैं :—

(१) हैवी ड्यूटी बैटरियां ।

(२) रेल में रोशनी करने के काम आने वाली बैटरियां ।

(३) प्रतिरक्षा सम्बन्धी कुछ प्रकार की बैटरियां जैसे डब्ल्यू० टी० बैटरियां, एयरक्राफ्ट बैटरियां आदि ।